कृषि विज्ञान केन्द्र
गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू (राज.)

ई–न्यूज लेटर

मार्च, 2025, अंक 11

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (NFSM) तिलहन अन्तर्गत प्रशिक्षणों का आयोजन

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन अन्तर्गत वृक्षजनित तिलहन उत्पादन तकनीक को बढावा देने हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर तथा कृषि विभाग, चूरू के संयुक्त तत्वाधान में कृषि विज्ञान सभागार में (दिनांक 3–4 फरवरी, 5–6 फरवरी, 10–11 फरवरी तथा 18–19 फरवरी, 2025) को चार प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया जिसमें सरदारशहर तहसील के विभिन्न गांवों (आसपालसर, बरलाजसर, बादडिया रणसीसर, बीजरासर, कीकासर, नेणासर, खेजडा, बनियासर, नाहरसरा, करणसर, साडासर आदि) तथा रतनगढ तहसील के विभिन्न गावों (गोगासर, मालासर, हुडेरा आदि) एवं सुजानगढ तहसील के गांवों (बाधसरा, चारिया, गुडावडी, बासी अगुणी, लोडसर आदि) के 101 कृषकों तथा कृषक महिलाओं ने भाग लिया ।

तिलहन मिशन अन्तर्गत प्रशिक्षण दौरान गतिविधियों में सभी प्रतिभागियों को कृषि विज्ञान केन्द्र स्थित तिलहन फसल संग्रहालय का भ्रमण करवाया गया तथा जिले के लिए उपयुक्त वृक्षजनित तिलहन फसलों को लगाने हेतु प्रेरित किया गया तथा तकनीकी सत्र अन्तर्गत विभिन्न विशेषज्ञों (मृदा विज्ञान, फसल उत्पादन, उद्यान विज्ञान, पौध सरंक्षण आदि)द्वारा तिलहन फसल के विभिन्न पहलूओं जैसे–चूरू जिले की परिस्थितियों के अनुरूप खारे पानी में अधिक उत्पादन देने वाली उन्नत किस्मों के चयन, खरपतवार प्रबंधन, खाद व उर्वरक प्रबंधन, गंधक व जिप्सम के संतुलित प्रयोग, एकीकृत कीट व रोग प्रबंधन तथा तिलहन जनित उद्याानिकी एवं तिलहन फसलों के विभिन्न पोषण मूल्यों आदि पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया । सभी विशेषज्ञों द्वारा चूरू जिले के विभिन्न गांवों में वृक्षजनित तिलहन खेती को अधिकाधिक बढावा देने हेतु सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित किया गया ।

पशु परजिवियों के प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा अनुसूचित जाति उप–योजना (SCSP) के अन्तर्गत दिनांक 4.फरवरी, 2025 को गांव बरलाजसर में भेड बकरियों के बाह्य व आंतरिक परिजिवियों के प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । फरवरी माह में बाह्य परजिवियों के प्रजनन का सीजन होता है, इस माह में तेजी से बाह्य परजीवी पशुओं के शरीर पर चिपक कर खून चूसने के कारण पशुओं का दूध उत्पादन 25 से 40 प्रतिशत तक घट जाता है। शरीर में रक्त की मात्रा 3–5 लीटर तक कम हो जाती है तथा चिचड द्वारा घिलोरियोसिस, बेबिशियोसिसस (लहूमूत्र) जैसी जानलेवा बीमारियां फैलती है । अतः इनके प्रबंधन हेतु आवास की अच्छे से साफ सफाई तथा आवास में कीटाणुनाशकों के छिडकाव हेतु प्रेरित किया ।

उद्यानिकी कृषि गोष्ठी का आयोजन

दिनांक 6 से 7 फरवरी 2025 को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत उद्यान विभाग द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, के सभागार में कृषक सेमीनार का आयोजन किया गया । दो दिवसीय जिला स्तरीय संगोष्ठी में जिले के 100 से अधिक किसानों ने भाग लिया । कार्यक्रम में प्रोंफेसर देवेन्द्र मोहन, समकुलाधिपति IASE मानित विश्वविद्यालय, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, डॉ. धर्मवरी डूडी, उपनिदेशक उद्यान चूरू एवं डॉ. रामावतार शर्मा, कृषि अधिकारी, चूरू आदि उपस्थित रहे । कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत करते हुए डॉ. देवेन्द्र मोहन द्वारा कृषि एवं बागवानी फसलों में लगने वाले कीटो के बारे में विस्तृत चर्चा की गई ।

केन्द्र के उद्यान विशेषज्ञ श्री अजय कुमावत द्वारा जिले में आय के नये साधनों के सृजन में बागवानी खेती की भूमिका पर जोर देते हुए सरंक्षित बागवानी के नए तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वी.के.सैनी द्वारा कृषकों से मृदा स्वास्थय बनाये रखना एवं बागवानी फसलों में उचित पोषण प्रबंधन से संबंधित विषय पर चर्चा की गई ।

कृषि अधिकारी डॉ. रामावतार शर्मा ने राज्य स्तर पर बागवानी की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने हेतु कृषकों को आह्वान किया । इस सेमीनार में उपनिदेशक श्री डूडी ने बताया कि कृषि और उद्यान विभाग द्वारा किसानों की आय बढाने के लिए नई तकनीकों और योजनाओं को बढावा दिया जा रहा है इस हेतु पॉली हाउस, ग्रीन हाउस जैसे उन्नत कृषि उपायों को अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित किया । यह सेमीनार किसानों के लिए महत्वपूर्ण अवसर साबित हुआ, जिससे उन्हें नई कृषि तकनीकों और योजनाओं के बारे में जानने का मौका मिला ।

कृषि प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर सभागार में दिनांक 10–11 फरवरी 2025 को राजकीय सेवारत कृषि पर्यवेक्षकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें चूरू जिले के 23 प्रसार कार्यकर्ताओं ने भाग लिया । कार्यक्रम दौरान कृषि विज्ञान `केन्द्र, सरदारशहर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वी.के.सैनी ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन –तिलहन (NFSM Oilseed) के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तृत चर्चा की । साथ ही मिट्‌टी व पानी जांच पर आधारित संतुलित उर्वरकों के उपयोग पर जोर देते हुए तिलहन वृक्षजनित फसलों में सूक्ष्म तत्वों के उपयोग हेतु जानकारी दी । कृषि विज्ञान `केन्द्र के सस्य वैज्ञानिक श्री हरीश कुमार रछौया ने वृक्षजनित तिलहन फसलों की उन्नत किस्मों, खरपतवार प्रबंधन, सिंचाई प्रबंध के बिन्दुओं पर चर्चा की । केन्द्र के पौध सरंक्षण विशेषज्ञ श्री मुकेश शर्मा ने तिलहन फसलों में लगने वाले कीट व बीमारियों व उनके प्रबंधन की जानकारी देते हुए तिलहन में प्राकृतिक खेती को अपनाने हेतु जोर दिया । प्रशिक्षण के दौरान चूरू जिले के अनुरूप फसलोत्पादन की अग्रिम एवं नवीन तकनीकों का उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया । सभी प्रशिक्षणार्थियों ने तिलहन फसल संबंधित सुझाव भी फीड बेक के रूप में विशेषज्ञों को प्रेषित किये ।

निकरा परियोजना के अन्तर्गत " कम लागत में पशुओं हेतु आवास प्रबंधन" विषय पर प्रशिक्षण आयोजित

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा निकरा परियोजना हेतु अन्तर्गत दिनांक 15 फरवरी 2025 को सरदारशहर तहसील के गांव मीतासर में कम लागत में पशुओं का आवास प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 18 पशुपालकों ने भाग लिया । इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पशुओं हेतु कम लागत में आसपास उपलब्ध खींप/सरकंडा आदि का प्रयोग कर पशुशाला तैयार करना था ताकि जलवायु विपरित प्रभावों **Cold wave, Heat wave**, उच्च तापमान, लू आदि के कारण पशुओं को होने वाली परेशानियों से बचाया जा सके एवं अन्तोगत्वा दुग्ध उत्पादन में होने वाली कमी से बचा जा सके ।

छात्र–छात्राओं का भ्रमण कार्यक्रम

दिनांक 16.2.25 को केन्द्र पर बीकमसरा के 52 छात्र छात्राओं नें केन्द्र पर भ्रमण कर प्राकृतिक खेती व उनको उत्पादों (बीजाअमृत, घनजीवामृत एवं नीमास्त्र) के की जानकारी प्राप्त की और केन्द्र के प्राकृतिक खेती के अन्तर्गत बोई गई फसल का अवलोकन किया । साथ ही प्रथम पंक्ति प्रदर्शन तिलहन कार्यक्रम के अन्तर्गत 23 कृषक व कृषक महिलाओं ने सामुहिक चर्चा में भाग लेकर रस चूसने वाले कीटों की पहचान, उनसे होने वाली हानि व प्रबंधन से संबंधित विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों से वार्तालाप किया ।

ऊँटपालक संयुक्त किसान सभा का आयोजन

दिनांक 24.2.2025 को कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर में मिशन बायोगैस और राज्य पशु ऊँट के सरंक्षण एवं सर्वंधन के लिए उरमूल सीमांत समिति के सहयोग से ऊँटपालकों के साथ संयुक्त किसान सभा आयोजित हुई । केन्द्र के श्री हरफूल सहारण ने चूरू जिले में उरमूल सीमांत व कृषि विज्ञान केन्द्र के आपसी समन्वय से ऊँटपालकों के साथ सरंक्षण व सवंर्धन कार्य की जानकारी दी । श्री राजेन्द्र प्रसाद स्वामी व श्री मोतीलाल कुमावत ने ऊँटपालकों की संस्था की ओर से गत 7 वर्षो से पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, जोधपुर, फलौदी व जैसलमेर जिलों में किए जा रहे प्रयासों के अनुभव सांझा किये । सभा की शुरूआत में संस्था के अनीस खान ने सामुदायिक विकास के बारे में विस्तृत जानकारी दी । श्री पुखराज जयपाल ने ऊँटनी के दूध की उपयोगिता व इनसे बनने वाली मिठाईयों में किये जा रहे नवाचारों और ऊँटनी के दूध के चिकित्सकीय उपयोग की जानकारी दी । कार्य को गति देने के लिए ऊँटपालाकें की 18 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया । संस्था के प्रतिनिधि 15 दिनों में अपने गांवों में ऊँटपालकों का सर्वे करने का लक्ष्य रखा गया । संस्था के शेखावाटी क्षैत्रीय समन्यवक श्री रविन्द्र कुमार चतुर्वेदी ने मिशन बायोगैस के माध्यम से किसानों को जैविक खेती के बारे प्रोत्साहित किया । इससे मिलने वाली स्लरी से खेत व मिट्टी की गुणवता में सुधार , खरपतवार से मुक्ति, जैविक उत्पादन से परिवार व पशुओं के उत्तम स्वास्थय आदि के बारे में बताया । कार्यक्रम में सरदारशहर व तारानगर ब्लॉक के सवाई बडी, खेजडा, बोघेरा, हरियासर, जैतासर, मेहरी, धडसीसर, करणसर व बूचावास के ऊँटपालक मौजूद रहे ।

जिला स्तरीय किसान मेले एवं कृषि प्रदर्शनी का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर में दिनांक 24.2.2025 को जिला स्तरीय किसान मेले का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के अन्तर्गत माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किसान सम्मान निधि की 19 वीं किस्त जारी करने का लाईव प्रसारण किसानों को दिखाया गया । कार्यक्रम में चूरू जिला प्रमुख वंदना आर्य, भाजपा नेता मधुसूदन राजपुरोहित एवं कृषि विभाग के विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों ने परम्परागत खेती के साथ–साथ आधुनिक खेती को बढावा देने, जल सरंक्षण, खेती के साथ ही पशुपालन को प्रोत्साहित करने, खेती के लिए नवीन उपकरण, परम्परागत खेती के साथ–साथ आधुनिक खेती को बढावा देने तथा मिट्टी एवं पानी की जांच के अनुरूप खेती करने पर बल दिया । इस दौरान उन्नत खेती से जुडी विभिन्न प्रदर्शनियां लगाई गई साथ ही खेती, बागवानी व पशुपालन में उल्लेखनीय कार्य करने वाले किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया । इसके अलावा कार्यक्रम में कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक, सहायक निदेशक श्री कुलदीप शर्मा, एसडीएम दिव्या चौधरी, तहसीलदार रतनलाल व आत्मा के परियोजना निदेशक राजकुमार कुलहरि व चूरू कोपरेटिव बैक के प्रबंधक श्री मदनलाल शर्मा व केवीके प्रमुख डॉ. वी.के.सैनी ने किसानों को जिले के अनुरूप कृषि एवं पशुपालन संबंधित नवीन तकनीकों को अधिकाधिक अपनाने हेतु प्रेरित किया तथा भारत सरकार द्वारा किसान हित की योजनाओं का लाभ लेने हेतु सभी विभागों के साथ समंन्वय स्थापित कर जनहित में जारी योजनाओं में सहभागिता करने हेतु बल दिया ।

संकलनकर्ता	संपादक	प्रकाशक
श्री मुकेश शर्मा (पौध सरंक्षण विशेषज्ञ)	डॉ. रमन जोधा (विषय वस्तु विशेषज्ञ गृह विज्ञान)	डॉ. वी. के. सैनी
श्री हरीशकुमार रछौया (फसल उत्पादन विशेषज्ञ)	Designed श्री सुनील कुमार वी.वी.,स्टैनो	वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख
श्री श्याम बिहारी (पशुपालन विशेषज्ञ)	Typed श्री ओ.पी.शर्मा, टाइपिस्ट	कृषि विज्ञान केन्द्र,
श्री अजय कुमावत (बागवानी विशेषज्ञ)		सरदारशहर,चूरू–I
श्री रमेश चौधरी (वरिष्ठ अनुसन्धान अध्येता-NICRA)		